चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	16-5-26	04	06

कपास पैदावार बढ़ाने के लिए नई तकनीक किसानों तक पहुंचाएं : डॉ. गर्ग

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में शुक्रवार को कपास उत्पादन तकनीक विषय पर रिफ्रेशर कोर्स आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बतौर मुख्य अतिथि कहा कि आधुनिक तकनीकों को अपनाकर कपास की उत्पादकता बढ़ाने के साथ पैदावार लागत भी कम की जा सकती है।

उन्होंने वैज्ञानिकों से नई तकनीकों को किसानों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का आह्वान किया। डॉ. गर्ग ने संतुलित उर्वरक प्रयोग, समय पर बुवाई, सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली और एकीकृत कीट प्रबंधन अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बदलते जलवायु परिदृश्य में किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ना जरूरी है, ताकि उन्हें बेहतर उत्पादन और अधिक लाभ मिल सके।

उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्रों से आए वैज्ञानिकों को किसानों को व्हाट्सएप समूहों से जोड़कर कपास फसल संबंधी नई जानकारी साझा करने और समस्याओं का त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. करमल सिंह मलिक ने स्वागत किया, जबकि संयुक्त निदेशक डॉ. सुनील ढांडा ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	16-5-26	03	7-8

कपास उत्पादन में बढ़ौतरी हेतु वैज्ञानिक नई तकनीक किसानों तक पहुंचाएं: डॉ. राजबीर

हिसार, 15 मई (ब्यूरो):चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कपास उत्पादन तकनीक विषय पर रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कृषि अधिकारियों एवं वैज्ञानिकों को कपास की आधुनिक उत्पादन तकनीकों, उन्नत किस्मों, कीट एवं रोग प्रबंधन तथा जल संरक्षण आधारित खेती के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान करना था। कपास अनुभाग एवं विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित इस रिफ्रेशर कोर्स में अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

अनुसंधान निदेशक डॉ. गर्ग ने अपने संबोधन में कहा कि आधुनिक तकनीकों को अपनाकर कपास की उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ उत्पादन लागत को भी कम किया जा सकता है। उन्होंने संतुलित उर्वरक प्रयोग, समय पर बुवाई, सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली तथा एकीकृत कीट प्रबंधन अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बदलते जलवायु परिदृश्य में किसानों को नई कृषि तकनीकों से जोडना आवश्यक है ताकि वे बेहतर उत्पादन और अधिक लाभ प्राप्त कर सकें। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को खेत स्तर पर व्यावहारिक जानकारी भी दी गई। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्रो से आए वैज्ञानिकों से कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्र के सभी किसानों को व्हाट्सएप ग्रुप से जोडकर कपास फ़सल से सम्बन्धित नई तकनीकों एवं जानकारी किसानों से साझा करें। कार्यक्रम में कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ करमल सिंह मलिक ने सभी का स्वागत करते हुए कपास फसल की नई तकनीकों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस कोर्स में डॉ. संदीप कुमार, डॉ. शुभम लांबा, डॉ. शिवानी मंधानिया, डॉ. अनिल तथा डॉ. अनिल कुमार सैनी ने संबंधित विषयों पर अपनी प्रस्तुति दी। रिफ्रेशर कोर्स में कपास उत्पादन के 10 जिलों से कृषि विज्ञान केन्द्रों के विस्तार विशेषज्ञों ने भी भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	16-5-26	04	7-8

किसानों तक पहुंचाएं कपास उत्पादन की नई तकनीक : राजबीर

कार्यक्रम में किसानों को संबोधित अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग।

जासं • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कपास उत्पादन तकनीक विषय पर रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन किया गया। अनुसंधान निदेशक डा. गर्ग ने कहा कि आधुनिक तकनीकों को अपनाकर कपास की उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ उत्पादन लागत को भी कम किया जा सकता है। उन्होंने संतुलित उर्वरक प्रयोग, सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली तथा एकीकृत कीट प्रबंधन अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बदलते जलवायु परिदृश्य में किसानों को नई कृषि तकनीकों से जोड़ना आवश्यक है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	16-5-24	12	1-3

हकृवि में कपास उत्पादन तकनीक विषय पर रिफ्रैशर कोर्स आयोजित

कार्यक्रम को संबोधित करते अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग।

हिसार, 15 मई (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कपास उत्पादन तकनीक विषय पर रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कृषि अधिकारियों एवं वैज्ञानिकों को कपास की आधुनिक उत्पादन तकनीकों, उन्नत किस्मों, कीट एवं रोग प्रबंधन तथा जल संरक्षण आधारित खेती के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान करना था। कपास अनुभाग एवं विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित इस रिफ्रेशर कोर्स में अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। अनुसंधान निदेशक डॉ. गर्ग ने अपने संबोधन में कहा कि आधुनिक तकनीकों को अपनाकर कपास की उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ उत्पादन लागत को भी कम किया जा सकता है। उन्होंने संतुलित उर्वरक प्रयोग, समय पर बुवाई, सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली तथा एकीकृत कीट प्रबंधन अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बदलते जलवायु परिदृश्य में किसानों को नई कृषि तकनीकों से जोड़ना आवश्यक है ताकि वे बेहतर उत्पादन और अधिक लाभ प्राप्त कर सकें। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को खेत स्तर पर व्यावहारिक जानकारी भी दी गई। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्रों से आए वैज्ञानिकों से कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्र के सभी किसानों को व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़कर कपास फसल से संबंधित नई तकनीकों एवं जानकारी किसानों से सांझा करें। उन्होंने वैज्ञानिकों से किसानों की समस्यायों का समाधान अविलंब करने के भी निर्देश दिए। इस प्रकार के रिफ्रेशर कोर्स किसानों और कृषि क्षेत्र से जुड़े कर्मियों के ज्ञान एवं कौशल को अद्यतन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।